पंजाब केसरी
TUE,01 SEPTEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 7

हिमाचल में डमी एडमिशन पर शिकंजा

फर्जीवाड़ा मिला तो रद्द होगी स्कूल की मान्यता

धर्मशाला, 31 अगस्त (सुनील): हिमाचल प्रदेश में अब केवल बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए स्कूलों में लिए जाने वाले डमी एडमिशन के फर्जीवाड़े पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने प्रदेश के सभी संबद्ध शिक्षण संस्थानों को सख्त हिदायत जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि कागजी दाखिला देने वाले संस्थानों के खिलाफ कड़ी कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

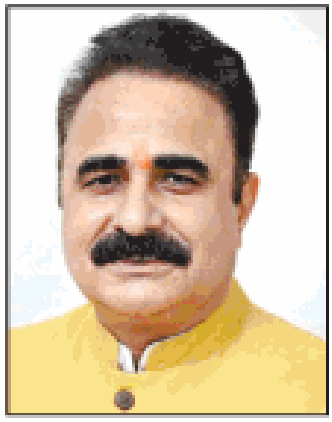

प्रतियोगी परीक्षाओं की आड़ में नियमित कक्षाओं से गायब रहने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए स्कूलों को छात्रों की दैनिक उपस्थिति का पारदर्शी रिकॉर्ड बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। हाजिरी के आंकड़ों में किसी भी तरह की हेराफेरी पाए जाने पर संबंधित संस्थान की मान्यता तक समाप्त की जा सकती है।

इस मामले पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि बोर्ड राज्य में पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डमी दाखिले से छात्र के शैक्षणिक आधार को नुक्सान पहुंचता है, इसलिए किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पाए जाने वाले स्कूलों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनंत ज्ञान | कांगड़ा | मंगलवार, 1 सितंबर 2026 | www.anantgyaan.in

प्रदेश में अब नहीं चलेगा डमी एडमिशन का खेल, बोर्ड की स्कूलों को चेतावनी

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के सख्त निर्देश, शिकायत मिली तो मान्यता पर गिरेगी गाज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में अब केवल बोर्ड परीक्षाओं में बैठने के लिए स्कूलों में लिए जाने वाले 'डमी एडमिशन' (कागजी दाखिले) पर पूरी तरह से लगाम कसने की तैयारी हो गई है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के सभी संबद्ध स्कूलों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे इस फर्जीवाड़े से दूर रहें। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी स्कूल या परीक्षा केंद्र के खिलाफ डमी एडमिशन की शिकायत मिलती है और जांच में वह सही पाई जाती है, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ बोर्ड के नियमों के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

◆ छात्रों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य

हाजिरी का सही रिकॉर्ड रखना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी: बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल में नियमित अध्ययन किए बिना, केवल बोर्ड परीक्षा देने, स्कूलों द्वारा अपना नामांकन बढ़ाने या कागजी रिकॉर्ड पूरा करने के उद्देश्य से दाखिला करना कतई उचित नहीं है। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों और प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों का सही व अद्यतन (अपडेटेड) रिकॉर्ड रखा जाए। उपस्थिति के रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की हेराफेरी या गलत जानकारी देने को एक बेहद गंभीर मामला माना जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं की आड़ में नियमित कक्षाओं से दूरी गलत

आजकल यह चलन बढ़ गया है कि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्कूलों में डमी दाखिला ले लेते हैं और नियमित कक्षाओं से नदारद रहते हैं। इस प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि स्कूल में दाखिला लेकर नियमित कक्षाओं से दूर रहना सही नहीं है। एक विद्यार्थी की शिक्षा और उसके समग्र विकास के लिए नियमित कक्षा-अध्ययन, शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन, प्रायोगिक कार्य तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

प्रदेश में अब नहीं चलेगा डमी एडमिशन का खेल

हिमाचल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के सख्त निर्देश, शिकायत मिली तो मान्यता पर गिरेगी गाज
छात्रों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 31 अगस्त : हिमाचल प्रदेश में अब केवल बोर्ड परीक्षाओं में बैठने के लिए स्कूलों में लिए जाने वाले 'डमी एडमिशन' (कागजी दाखिले) पर पूरी तरह से लगाम कसने की तैयारी हो गई है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के सभी संबद्ध स्कूलों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे इस फर्जीवाड़े से दूर रहें। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी स्कूल या परीक्षा केंद्र के खिलाफ डमी एडमिशन की शिकायत मिलती है और जांच में वह सही पाई जाती है, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ बोर्ड के नियमों के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हाजिरी का सही रिकॉर्ड रखना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल में नियमित अध्ययन किए बिना, केवल बोर्ड परीक्षा देने, स्कूलों द्वारा अपना नामांकन बढ़ाने या कागजी रिकॉर्ड पूरा करने के उद्देश्य से दाखिला करना कतई उचित नहीं है। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों और प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों का सही व अपडेटेड रिकॉर्ड रखा जाए। उपस्थिति के रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की हेराफेरी या गलत जानकारी देने को एक बेहद गंभीर मामला माना जाएगा।आजकल यह चलन बढ़ गया है कि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्कूलों में डमी दाखिला ले लेते हैं और नियमित कक्षाओं से नदारद रहते हैं। इस प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि स्कूल में दाखिला लेकर नियमित कक्षाओं से दूर रहना सही नहीं है। एक विद्यार्थी की शिक्षा और उसके समग्र विकास के लिए नियमित कक्षा-अध्ययन, शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन, प्रायोगिक कार्य तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं अभिभावक भी रहें सतर्क

बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से भी विशेष अपील की है कि वे ऐसे स्कूलों या संस्थानों के बहकावे में बिल्कुल न आएं जो बिना नियमित पढ़ाई के केवल बोर्ड परीक्षा में शामिल करवाने का झांसा देते हैं। डमी एडमिशन से अंततः विद्यार्थी के शैक्षणिक विकास का ही नुकसान होता है, जिसका खामियाजा भविष्य में छात्र को ही भुगतना पड़ता है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि शिक्षा बोर्ड प्रदेश में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और नियमों का उल्लंघन किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए अपने संदेश में कहा, "परीक्षा में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। नियमित पढ़ाई, कड़ी मेहनत और अनुशासन ही सफलता की सबसे सही कुंजी है।"

डिजिटल अख़बार
www.ujjwalhimachal.com
उजवल हिमाचल
सोमवार, 31 अगस्त 2026
खबर भी असर भी...

हिमाचल में अब नहीं चलेगा डमी दाखिले का खेल

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के सख्त निर्देश, शिकायत मिली तो मान्यता पर गिरेगी गाज

उज्ज्वल हिमाचल। धर्मशाला -

हिमाचल प्रदेश में अब केवल बोर्ड परीक्षाओं में बैठने के लिए स्कूलों में लिए जाने वाले 'डमी दाखिले' पर पूरी तरह से लगाम कसने की तैयारी हो गई है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश के सभी संबद्ध स्कूलों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे इस फर्जीवाड़े से दूर रहें। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी स्कूल या परीक्षा केंद्र के खिलाफ डमी दाखिलों शिपवियात मिलती है और जांच में वह सही पाई जाती है, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ बोर्ड के नियमों के तहत सख्त से से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हाजिरी का सही रिकॉर्ड रखना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी -
बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल में नियमित अध्ययन किए बिना, केवल बोर्ड परीक्षा देने, स्कूलों द्वारा अपना नामांकन बढ़ाने या कागजी रिकॉर्ड पूरा करने के उद्देश्य से दाखिला करना कतई उचित नहीं है। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों और प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों का सही और अद्यतन रिकॉर्ड रखा जाए।

हाजिरी का सही रिकॉर्ड रखना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी -
बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल में नियमित अध्ययन किए बिना, केवल बोर्ड परीक्षा देने, स्कूलों द्वारा अपना नामांकन बढ़ाने या कागजी रिकॉर्ड पूरा करने के उद्देश्य से दाखिला करना कतई उचित नही है। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों और प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों का सही और अद्यतन रिकॉर्ड रखा जाए।

प्रतियोगी परीक्षाओं की आड़ में नियमित कक्षाओं से दूरी गलत, सफलता का कोई छोटा रास्ता नहीं, अभिभावक भी रहें सतर्क - आजकल यह चलन बढ़ गया है कि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की [illegible] सही नही है। अभिभावकों अभिभावकों से अपील की [illegible] है है पे वे ऐसे स्कूलों के बहकावे में न आएं। उन्होंने कहा, "परीक्षा में सफलता का कोई छोटा रास्ता नहीं होता है। नियमित पढ़ाई, कड़ी मेहनत और अनुशासन ही सफलता की सबसे सही कुंजी है।"

छात्रों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य
डॉ. राजेश शर्मा

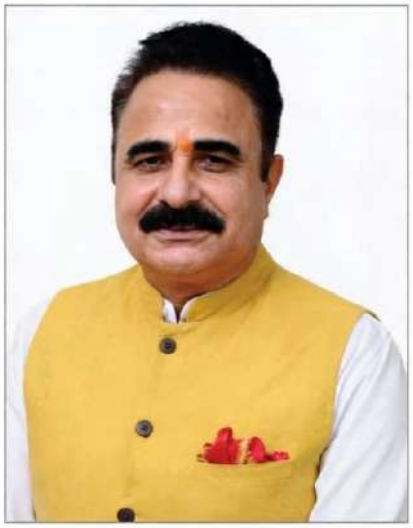

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड
अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा

Divya Himachal Dt. 01-09-2026

प्रदेश में बंद होगा डमी एडमिशन का खेल

स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने स्कूलों को जारी की कड़ी चेतावनी

- कहा, शिकायत मिली, तो मान्यता पर गिरेगी गाज
- छात्रों की नियमित उपस्थिति का रिकार्ड रखना अनिवार्य

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश में अब केवल बोर्ड परीक्षाओं में बैठने के लिए स्कूलों में लिए जाने वाले डमी एडमिशन यानि कागजी दाखिले पर पूरी तरह से लगाम कसने की तैयारी हो गई है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने प्रदेश के सभी संबद्ध स्कूलों को कड़ी चेतावनी दी है कि वे इस फर्जीवाड़े से दूर रहें। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी स्कूल या परीक्षा केंद्र के खिलाफ डमी एडमिशन की शिकायत मिलती है और जांच में वह सही पाई जाती है, तो संबंधित संस्थान के खिलाफ बोर्ड के नियमों के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बोर्ड अध्यक्ष डा. शर्मा ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी का स्कूल में नियमित अध्ययन किए बिना, केवल बोर्ड परीक्षा देने, स्कूलों द्वारा अपना नामांकन बढ़ाने या कागजी रिकार्ड पूरा करने के उद्देश्य से दाखिला करना कतई उचित नहीं है। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों और प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों का सही व अपडेटेड रिकार्ड रखा जाए।

प्रतियोगी परीक्षाओं की आड़ में नियमित कक्षाओं से दूरी गलत

आजकल यह चलन बढ़ गया है कि विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्कूलों में डमी दाखिला ले लेते हैं और नियमित कक्षाओं से नदारद रहते हैं। इस प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए डा. शर्मा ने कहा कि स्कूल में दाखिला लेकर नियमित कक्षाओं से दूर रहना सही नहीं है। एक विद्यार्थी की शिक्षा और उसके समग्र विकास के लिए नियमित कक्षा-अध्ययन, शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन, प्रायोगिक कार्य तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं।

Amar Ujala
Dt.01-09-2026

डमी एडमिशन पर शिक्षा बोर्ड सख्त, रद्द हो सकती है मान्यता

धर्मशाला। बोर्ड परीक्षाओं में शामिल करने के लिए विद्यार्थियों का डमी एडमिशन करवाने वाले स्कूल अब हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के रडार पर आ गए हैं। बोर्ड ऐसे निजी व सरकारी संबद्ध स्कूलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की तैयारी में है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने चेतावनी दी है कि छात्रों को नियमित कक्षाओं में पढ़ाए बिना सीधे बोर्ड परीक्षा में बिठाने की व्यवस्था कतई बर्दाश्त नहीं होगी।

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि डमी एडमिशन की शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। आरोप सही साबित होने पर संबंधित स्कूल की मान्यता रद्द करने जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्यों को विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति का सही और अद्यतन रिकॉर्ड बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाजिरी रजिस्टर में किसी भी तरह की हेराफेरी या गलत जानकारी देने को गंभीर अनियमितता माना जाएगा। ब्यूरो

समग्र विकास के लिए नियमित कक्षा-अध्ययन, प्रायोगिक कार्य और शिक्षक मार्गदर्शन बेहद जरूरी हैं। केवल कागजी दाखिला शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करता है। छात्र व अभिभावक ऐसे संस्थानों के झांसे में न आएं। - **डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष शिक्षा बोर्ड**

हिमाचल में नहीं चलेगा 'डमी एडमिशन' का खेल

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 'डमी एडमिशन' पर सख्ती के निर्देश दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबद्ध स्कूलों को चेतावनी दी है कि केवल बोर्ड परीक्षा में बैठने या नामांकन बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को कागजी दाखिला न दिया जाए। शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित स्कूल के खिलाफ बोर्ड नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों के लिए विद्यार्थियों की वास्तविक और नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य किया गया है। हाजिरी में किसी भी तरह की हेराफेरी या गलत जानकारी को गंभीर मामला माना जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर नियमित कक्षाओं से दूर रहना भी उचित नहीं है। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नियमित कक्षा-अध्ययन, शिक्षकों का मार्गदर्शन, प्रायोगिक कार्य और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों और विद्यार्थियों से भी डमी एडमिशन के झांसे में न आने की अपील की। डॉ. शर्मा ने कहा कि परीक्षा में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। नियमित पढ़ाई, मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।

- शिक्षा बोर्ड की स्कूलों को कड़ी चेतावनी
- शिकायत सही मिली तो मान्यता पर होगी कार्रवाई

Himachal Dastak Dt. 01-09-2026

HPBOSE Cracks Down on 'Dummy Admissions'; Erring Schools Face Derecognition: Dr. Rajesh Sharma

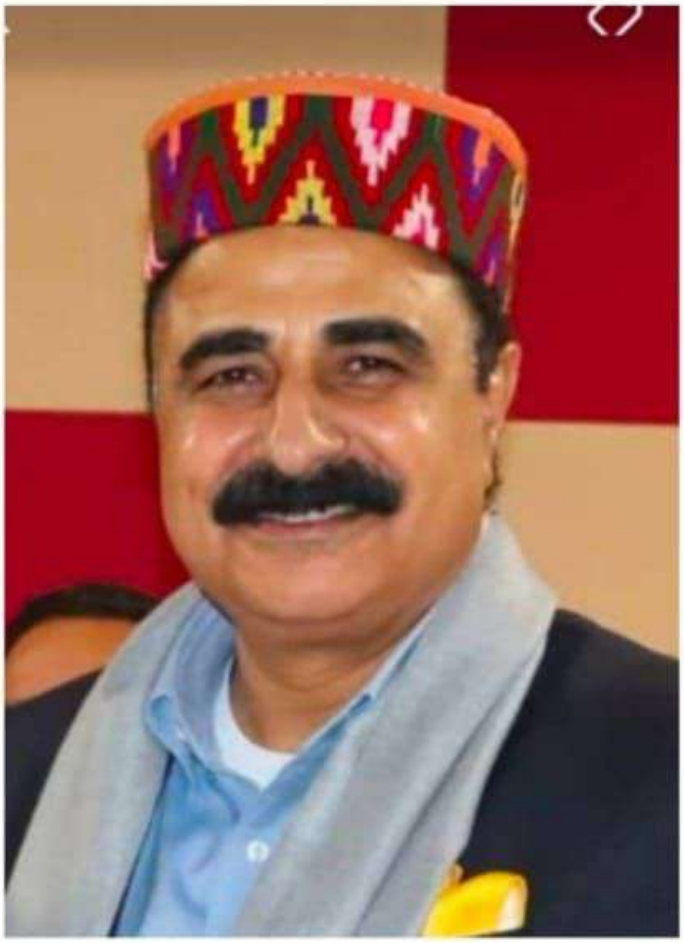

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA AUG 31 : Preparations are underway in Himachal Pradesh to completely curb the practice of 'dummy admissions' (paper-only enrollments) where students are enrolled in schools solely to appear for board examinations. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), has issued a stern warning to all affiliated schools to steer clear of this malpractice. The Board has clarified that if a complaint regarding dummy admissions is received against any school or examination center and is substantiated upon investigation, the strictest possible action will be taken against the concerned institution in accordance with Board regulations. Dr. Sharma stated that it is entirely inappropriate for schools to enroll students solely to boost enrollment figures or complete paperwork without the students actually attending regular classes or participating in school life. He has issued strict directives to school managements and principals to maintain accurate and up-to-date records of student attendance and academic activities. Any manipulation of attendance records or the submission of false information will be treated as a very serious matter. There is a growing trend where students take dummy admissions in schools to prepare for competitive exams alongside board exams, while remaining absent from regular classes. Expressing concern over this trend, Dr. Sharma remarked that enrolling in a school while staying away from regular classes is not right. Regular classroom study, proper guidance from teachers, practical work, and other academic activities are essential for a student's education and holistic development. The Board Chairman has also made a special appeal to students and parents not to be misled by schools or institutions that promise to facilitate board exam appearances without requiring regular study. Ultimately, dummy admissions harm the student's academic growth, and it is the student who has to bear the consequences in the future. Sharma clarified that the education board is committed to maintaining a fair, transparent, and reliable examination system in the state, and that any violation of rules at any level will not be tolerated. Motivating the students, he stated in his message, "There is no shortcut to success in examinations. Regular study, hard work, and discipline are the true keys to success.